उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज

बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी की जयन्ती के अवसर पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम

'आधुनिक भारत के निर्माण एवं विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान'

दिनांक–14.04.2023

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक–समाज विज्ञान विद्याशाखा
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

कार्यक्रम प्रतिवेदन

समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में दिनांक 14 अप्रैल 2023 को भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर जी की 132 वीं जयन्ती के शुभ अवसर एक व्याख्यान कार्यक्रम जिसका शीर्षक **'आधुनिक भारत के निर्माण एवं विकास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान'** आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मा. कुलपति प्रो.सीमा सिंह,उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, मुख्य वक्ता प्रो.पी.एल. विश्वकर्मा आचार्य (से.नि.) मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्याल, प्रयागराज तथा निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा प्रो.सन्तोषा कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉ.अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। स्वागत भाषण निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा प्रोफेसर संतोषा कुमार द्वारा किया गया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुख्य वक्ता–प्रो.पी. एल. विश्वकर्मा, आचार्य (से.नि.) मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग इलाहाबाद विश्वविद्याल, प्रयागराज ने कहा कि बाबासाहेब समता तथा न्याय पुरुष थे। उनका मत था कि डॉ. अम्बेडकर के अनुसार शिक्षा ही एक हथियार है जिससे समाज में विभिन्न प्रकार के परिवर्तन हो सकते हैं। शिक्षा के अभाव में न्याय की कल्पना अधूरी है। उन्होने डॉ अम्बेडकर के चिन्तन के विविध आयामों का उल्लेख किया। उन्होने कहा कि उनका चिंतन सर्वस्पर्शी था। उन्होंने पूना पैक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्वजन हिताय वाले विचार को स्वीकार किया गया है। उन्होंने सामाजिक असमानता का उल्लेख किया। उनके अनुसार डॉ.अम्बेडकर का चिंतन बहुआयामी था जिसमें सामाजिक राजनीतिक तथा सांस्कृतिक चिंतन सम्मिलित था। उन्होंने स्त्री शिक्षा एवं उनके अधिकार का उल्लेख किया। उन्होंने उनके सामाजिक समता, समानता का भी उल्लेख किया।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 एस0 कुमार

मा.कुलपति–कार्यक्रम की अध्यक्षा–कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की मा.कुलपति सीमा सिंह जी ने डॉ. भीम राव अम्बेडर जी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर व्यापक प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा समतामूलक समाज की स्थापना में किये गये उनके कार्यो एवं योगदानों पर अत्यन्त सारगर्भित ढ़ग से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उनके समावेशित विचार परिलक्षित

होते हैं। उनके अनुसार डॉ. अंबेडकर जी को किसी सीमित परिधि में नहीं रखा जा सकता है। उनके अनुसार डॉ. अम्बेडकर आज भी प्रासंगिक तथा हम सभी के प्रेरणास्रोत है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ सुनील कुमार

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील कुमार सहायक आचार्य, प्राचीन इतिहास, समाज विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज विज्ञान विद्याशाखा के डॉ. आनन्दा नन्द त्रिपाठी, सह–आचार्य, राजनीति विज्ञान, डॉ.एम.एन.सिंह, डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. सुभाष चंद्र पाल डॉ. मनोज कुमार, डॉ. योगेश कुमार यादव, सोहनी देवी, डॉ. कामना यादव, श्री राजेश सिंह तथा विभिन्न विद्याशाखाओ के निदेशकगण,

आचार्यगण, सह आचार्यगण एवं सहायक आचार्यगण के साथ ही विभिन्न विद्याशाखाओं के शोध छात्र एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे।